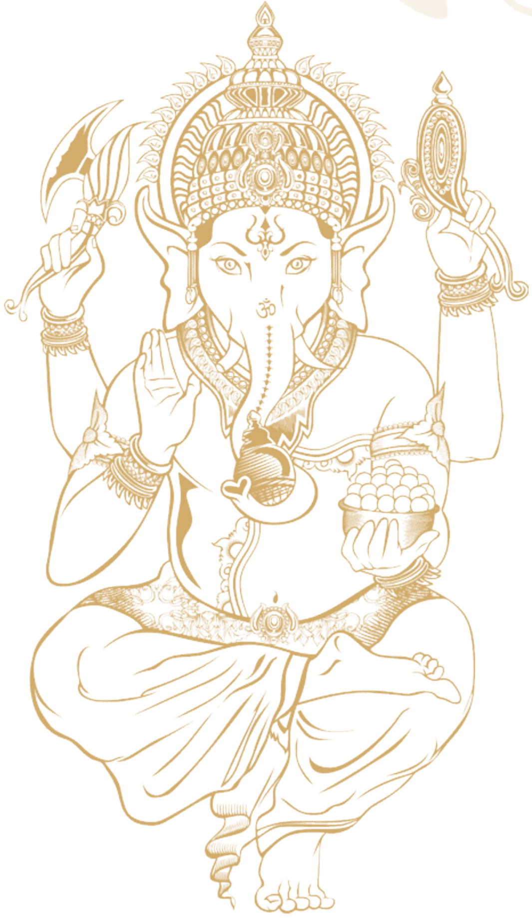

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121766101

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/03/2026	जन्म तिथि	31/03/2026
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 11:16:00	जन्म समय	11:16:00 घंटे
घटी 12:37:54	जन्म समय(घटी)	12:37:54 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:50	सूर्योदय	06:12:50
18:38:20	सूर्यास्त	18:38:20
24:13:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:32
मिथुन	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	सिंह
सूर्य	राशि-स्वामी	सूर्य
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	4
गण्ड	योग	गण्ड
गर	करण	गर
टू-टूंगर	जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	वनचर
मूषक	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 3मा 18दि		11:15:00	मिथु		लग्न		मिथु	11:15:00	शुक्र 3वर्ष 3मा 18दि	
शुक्र		16:18:03	मीन		सूर्य		मीन	16:18:03	शुक्र	
31/03/2026		24:27:56	सिंह		चंद्र		सिंह	24:27:56	31/03/2026	
19/07/2029		28:17:53	कुंभ		मंगल		कुंभ	28:17:53	19/07/2029	
	00/00/0000	18:50:45	कुंभ		बुध		कुंभ	18:50:45		00/00/0000
	00/00/0000	21:30:24	मिथु		गुरु		मिथु	21:30:24		00/00/0000
	00/00/0000	06:28:50	मेष		शुक्र		मेष	06:28:50		00/00/0000
	00/00/0000	11:13:40	मीन		शनि		मीन	11:13:40		00/00/0000
	00/00/0000	14:33:48	कुंभ	व	राहु	व	कुंभ	14:33:48		00/00/0000
	00/00/0000	14:33:48	सिंह	व	केतु	व	सिंह	14:33:48		00/00/0000
	31/03/2026	04:30:09	वृष		हर्ष		वृष	04:30:09		31/03/2026
बुध	19/05/2028	07:57:00	मीन		नेप		मीन	07:57:00	बुध	19/05/2028
केतु	19/07/2029	10:58:42	मक		प्लूटो		मक	10:58:42	केतु	19/07/2029

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

24:13:32 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:32

लग्न-चलित

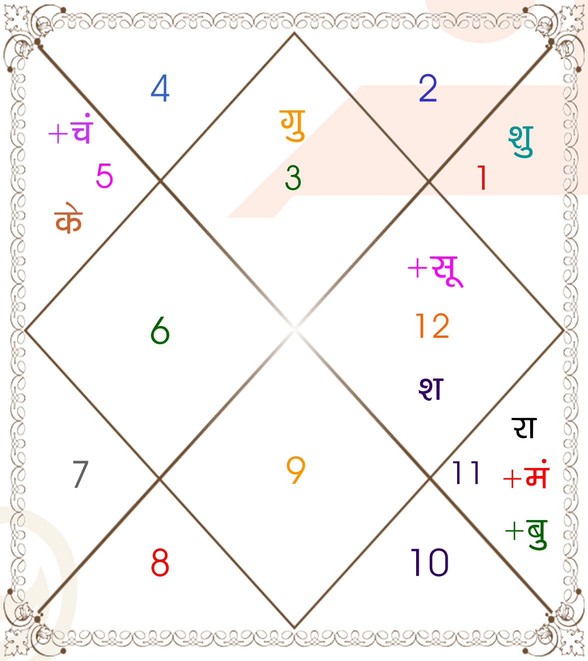

लग्न-चलित

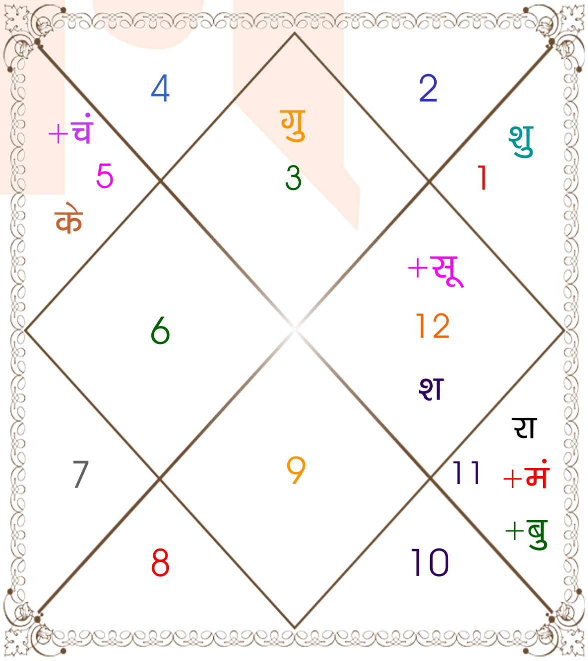

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

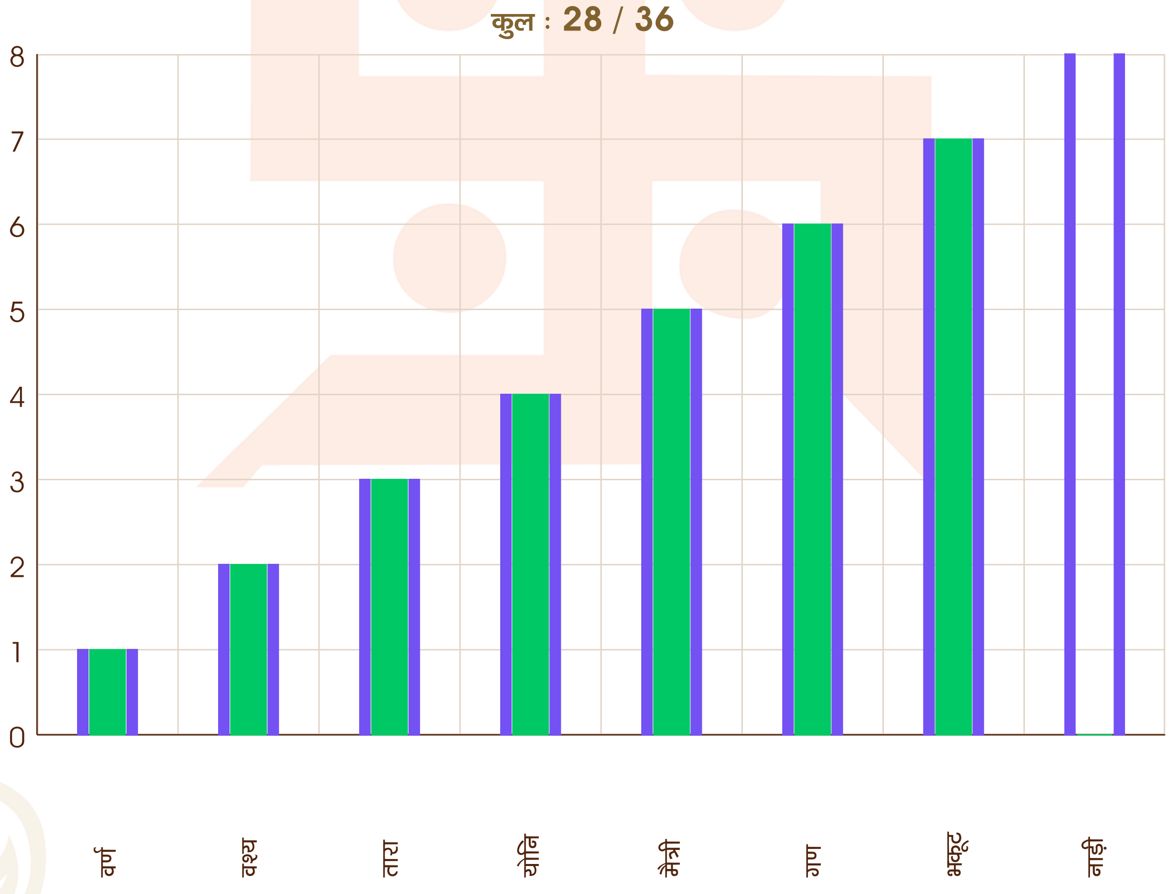

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य वनचर है एवं Ms. का वश्य भी वनचर है। दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद एवं व्यवहार एक जैसे होंगे तथा एक-दूसरे के लिए इनमें अगाध प्रेम रहेगा। क्योंकि दोनों स्वभाव से आक्रामक होंगे इसलिये कभी-कभी इनमें परस्पर लड़ाई-झगड़े भी होता रहेगा। Mr. एवं Ms. की संतान आज्ञाकारी, कर्त्तव्य परायण, बुद्धिमान एवं समाज में नाम एवं यश कमाने वाली होगी। दोनों साथी कर्त्तव्यनिष्ठ एवं जिम्मेदार प्रवृत्ति के होंगे। परिवार के सदस्यों की देख-भाल दोनों मिलकर, सहयोग के साथ करते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा Ms. की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि मूषक है तथा Ms. की योनि भी मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के

मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा Ms. का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr. एवं Ms. का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. और Ms. की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। इसके प्रभाव से दोनों में स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने में पूर्णतया सफल होंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। इस प्रकार सुखी वैवाहिक जीवन की दृष्टि से मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. और Ms. दोनों की राशि का स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से इनके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा। ये परस्पर गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे एवं एक सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। इस प्रकार उत्तम सामंजस्य के कारण Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा। साथ ही सम्मान एवं अस्तित्व के आधार पर एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

Mr. और Ms. की जन्म राशियां परस्पर प्रथम प्रभाव भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट कहलाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण रहेगा तथा Mr. और Ms. दोनों अपने क्षेत्र में योग्य तथा प्रसिद्व रहेंगे। साथ ही स्वाभाविक प्रवृतियों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे विवाद मतभेद्व या विरोध आदि के अत्यंत कम क्षण आएंगे अन्यथा Mr. और Ms. प्रसन्नता पूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वश्य वनचर है । अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में अनुकूलता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः स्वभाव से दोनों पराक्रमी एवं साहसी होंगे तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Mr. और Ms. का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और Ms. सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. और Ms. दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे Mr. और Ms. दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से Mr. को धातु संबंधी तथा Ms. को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms. सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms. को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms. धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms. के संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार

सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms. ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Mr. के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Mr. भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Mr. के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr. के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।